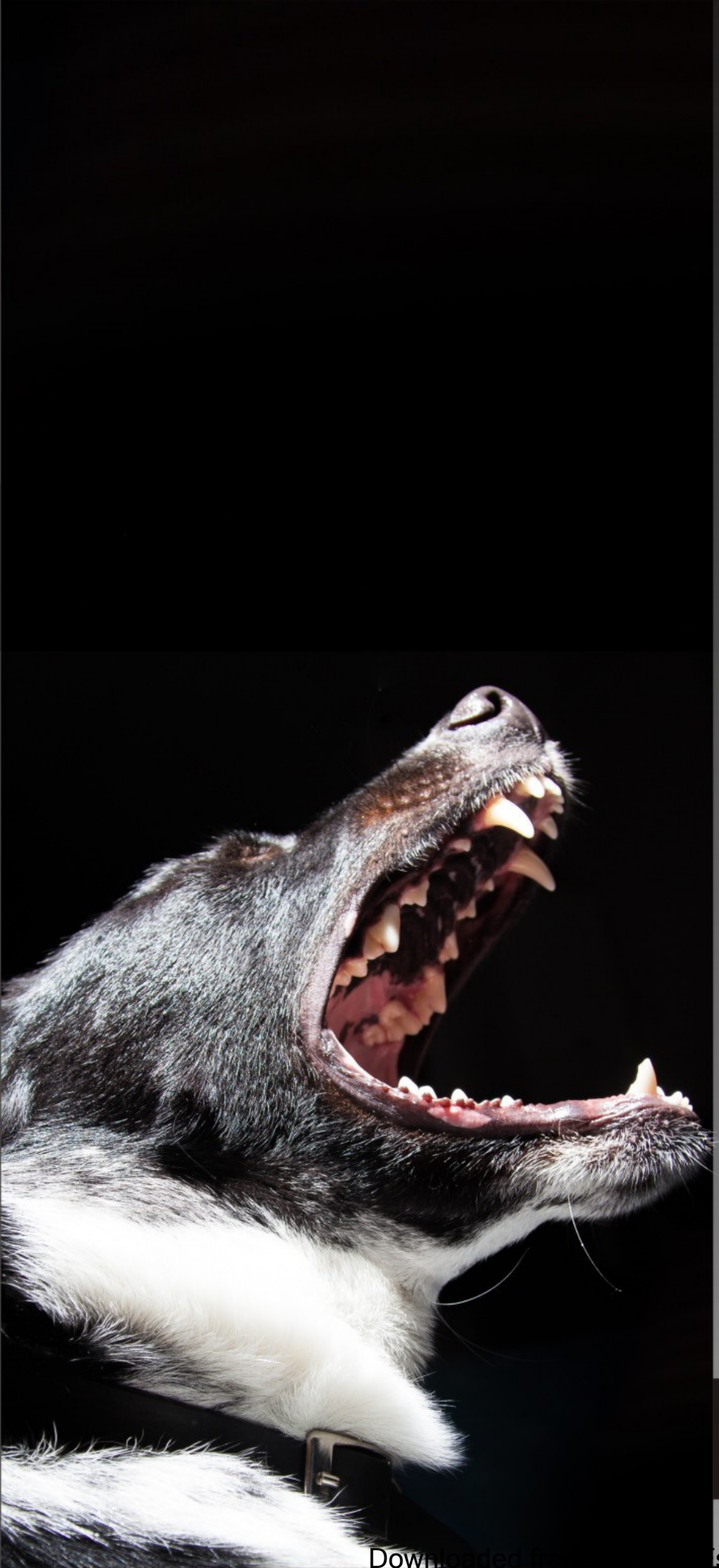

BEST SELLER

जीवन के 999 कड़वे सबक

रघुवेन्द्र रमण अरोड़ा

Downloaded f[illegible]ishala.com

प्रिय मित्र,

जीवन में आगे बढ़ने के दौरान हर व्यक्ति को अनेक प्रकार की परिस्थितियों का सामना करना पड़ता है, ये अच्छी या बुरी हो सकती हैं, उसे हर कदम कोई न कोई चुनौती दिखाई देती है | इसके 2 विकल्प उसके सामने होते हैं, पहला, कि चुनौती का डट कर सामना करे, और कोशिश करे कि उसे सफलता मिले, दूसरा, चुनौती को देख कर ही हार मान ले | जीवन में आगे बढ़ने के लिए, चुनौतियों पर जीत हासिल करने के लिए आपको जीवन की कड़वी हक़ीक़त मालूम होनी ही चाहिए|

प्राचीन समय में लोग किसी अनुभवी से 1 सबक लेने के लिए 1 लाल (कीमती रत्न) दिया करते थे, ये हम आप लोगों की खुशकिस्मती है कि आजकल के जमाने में हमें इ बुक के जरिये से ही ऐसी सीख मिल जाती है| मैंने इस इ बुक में ऐसे 999 अनमोल सबक का संकलन किया है, जो जीवन के उतार चढ़ाव से हमें रु बरु करते हैं. जैसा की चाणक्य ने कहा है की यदि हम खुद की गलतियों से सीखना शुरू करेंगे तो ये जीवन कम पड़ेगा

जीवन के 999 कड़वे सबक नाम की इस पुस्तक में आपको लोगों के असल जीवन के अनुभवों से काफी कुछ सीखने को मिलेगा. ऐसा मेरा विश्वास है.

और आशा है की इन अनुभवों के जरिये आप जीवन में चुनौतियों पर सफलता पूर्वक विजय पाने में कामयाब होंगे

मैं अपनी यह पुस्तक स्वर्गीय श्री परमानंद गाबा (दादाजी), स्वर्गीय शान्ति देवी (दादी जी), स्वर्गीय श्रीमती अनुराधा रानी अरोड़ा (माता जी), स्वर्गीय शैलेंद्र शंकर अरोड़ा(बड़े भाई) एवं अपने पिताजी स्वर्गीय श्री निरंजन दास अरोड़ा को समर्पित करता हूं। इन सब की बदौलत ही मैं जो कुछ भी कर पा रहा हूं, वह कर पा रहा हूं। ये सभी मेरी जिंदगी का एक अटूट हिस्सा हैं और मेरे प्रेरणास्रोत हैं।

सफलता पाने के लिए अग्रिम शुभकामनाएं।

रघुवेंद्र रमण अरोड़ा

www.PDFshala.com
ऐसे और भी ढेर सारी हिंदी किताबों को
डाउनलोड करने के लिए इस वेबसाइट
(www.pdfshala.com) पर जाए
या Google या Telegram पर सर्च
करें 👇
pdfshala

Downloaded from www.PDFshala.com

कोई इंसान आपके साथ कैसा व्यवहार करता है, इसमें भी कुछ ना कुछ संदेश छिपा होता है। गौर करें।

आपको नई शुरुआत करने के लिए आने वाले कल के इंतजार की जरूरत नहीं है, बल्कि अपनी सोच को बदलने की जरूरत है।

थोड़े-थोड़े टपकते हुए पानी से भी पत्थर घिस जाता है। उसी प्रकार धीरे धीरे निरंतर कड़ा परिश्रम करते हुए इंसान अपनी मंजिल को पा सकता है।

यदि आप अपने लक्ष्य को हासिल करने के लिए कड़ा परिश्रम निरंतर नहीं कर रहे हैं, तो आप किसी फसल को तैयार होने से पहले ही काट लेना चाहते हैं।

जब आप धनवान हो जाते हो, तो आपको तसल्ली से सपने देख सकते हैं, लेकिन यदि आप निर्धन हैं तो पहले से ही अपने शौक पूरे करने की ना सोचे।

शेर के बच्चे का शिकार करने के लिए शेर की मांद में जाना ही पड़ेगा।

सफलता पाने के लिए लंबे रास्ते रुकावट नहीं है। यदि रुकावट है, तो वह है महत्वकांक्षा का ना होना।

आपके और आपकी मंजिल के बीच में एक ही चीज ख़ड़ी है और वह है आपके सफल न होने के बहानों की बेहूदा कहानी, जो आप लोगों को सुनाते रहते हैं।

Downloaded from www.PDFshala.com

केवल मरी हुई मछली ही पानी के बहाव के साथ-साथ बहती है।

बेशक, शेर और बाघ दोनों ही बेहद शक्तिशाली हैं लेकिन भेड़िए को कभी सर्कस में काम करते हुए नहीं देखा गया।

अपने अंदर हमेशा वह आग धधकती हुई रखना।

एक भेड़िया भी अपनी जिंदगी अपने तरीके से तय करता है, उसे इस बात का फर्क नहीं पड़ता कि कोई उसके बारे में क्या कहता है।

अगर आपके लक्ष्य आपको भीड़ से अलग करते हैं तो बेशक अकेले रहना ही बेहतर है।

बुद्धिमत्ता को सुरक्षित रखे जाने के लिए चुप रहना एक बाड़ के समान काम करता है।

हमारा जमीर हमारी आत्मा की आवाज होती है।

जिंदगी खुद को खोजने का नाम नहीं है, बल्कि खुद की शख्सियत नए सिरे से बनाने का नाम है।

Downloaded from www.PDFshala.com

यदि आप इस कमरे में सर्वाधिक चतुर व्यक्ति हैं, तो यह यकीन रखिए कि आप गलत कमरे में हैं।

यदि आपको अपनी जिंदगी संवारनी है, तो सबसे पहले अपनी प्राथमिकताओं बदलें।

आपकी पिछली जिंदगी से वह जिंदगी बहुत अधिक महत्वपूर्ण है, जो आपके सामने हैं।

आप जो कुछ भी सोचते हैं,उस में हर चीज पर यकीन ना करें।

कुछ नहीं बदलोगे, तो कुछ भी बदलाव नहीं आएगा।

ऐसी कोई ·¤·¤भी चीज का त्याग मत करना, जिसे जिंदगी में हर दिन आप याद करते हैं।

मैं अपने पुराने मैं की राख पर खड़ा हूं।

दृढ़ बनो क्योंकि आप नहीं जानते कि आप किन लोगों के लिए प्रेरणा स्रोत हैं।

इतने अधिक सकारात्मक बनो कि नकारात्मक लोग आपके आसपास आने की जुर्रत भी ना करें।

Downloaded from www.PDFshala.com

आप कभी भी इतना वृद्ध नहीं होते कि नया लक्ष्य ना तय कर पाएं या एक नया सपना ना देख पाए।

यदि कोई व्यक्ति आपको तवज्जो नहीं देता तो कृपया करके उसे दोबारा परेशान ना करें।

कुछ लोग 25 साल की उम्र में ही मर जाते है। लेकिन 75 वर्ष की उम्र में उन्हें दफनाया जाता है।

मैं उस व्यक्ति से नहीं डरता जिसमें 10000 किक का अभ्यास किया है, लेकिन उससे जरूर डरता हूं जिसने एक ही किक का 10,000 बार अभ्यास किया है।

आप जो भी हैं, बस उसमें बेहतरीन बन जाए।

असल में असफलता वही है, जिससे हमें कुछ भी सीखने को ही नहीं मिलता।

सफलता हमारी पहले से की गई तैयारियों पर निर्भर करती है यदि हम पहले से कोई तैयारी नहीं करते, तो हमारा असफल होना तय है।

ठोकर खाने में और गिर जाने में फर्क होता है।

आने वाला कल उन्हीं का है, जो दूर दृष्टि रखते हैं।

Downloaded from www.PDFshala.com